



Literacy for a Billion

Movie: Aanand

Year: 1971

कहीं दूर जब दिन ढल जाए  
साँझ की दुल्हन बदन चुराए  
चुपके से आए

कहीं दूर जब दिन ढल जाए  
साँझ की दुल्हन बदन चुराए  
चुपके से आए

मेरे ख़यालों के आँगन में  
कोई सपनों के  
दीप जलाए  
दीप जलाए

कहीं दूर जब दिन ढल जाए  
साँझ की दुल्हन बदन चुराए  
चुपके से आए

कभी यूँ ही जब हुई  
बोझल साँसें  
भर आईं बैठे बैठे  
जब यूँ ही आँखें

कभी यूँ ही जब हुई  
बोझल साँसें  
भर आईं बैठे बैठे  
जब यूँ ही आँखें

तभी मचल के  
प्यार से चलके

Song: Kahin Door Jab Din Dhal Jaye

Lyricist: Yogesh

छूए कोई मुझे पर  
नज़र ना आए  
नज़र ना आए

कहीं दूर जब दिन ढल जाए  
साँझ की दुल्हन बदन चुराए  
चुपके से आए

कहीं तो ये दिल कभी  
मिल नहीं पाते  
कहीं से निकल आएँ  
जन्मों के नाते

कहीं तो ये दिल कभी  
मिल नहीं पाते  
कहीं से निकल आएँ  
जन्मों के नाते

घनी थी उलझन  
बैरी अपना मन  
अपना ही होके  
सहे दर्द पराए  
दर्द पराए

कहीं दूर जब दिन ढल जाए  
साँझ की दुल्हन बदन चुराए  
चुपके से आए

दिल जाने मेरे सारे

*PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.*



Literacy for a Billion

भेद ये गहरे  
हो गए कैसे मेरे  
सपने सुनहरे

दिल जाने मेरे सारे  
भेद ये गहरे  
हो गए कैसे मेरे  
सपने सुनहरे

ये मेरे सपने  
यही तो हैं अपने  
मुझसे जुदा ना होंगे  
इनके ये साए

इनके ये साए  
कहीं दूर जब दिन ढल जाए  
साँझ की दुल्हन बदन चुराए  
चुपके से आए

मेरे खयालों के आँगन में  
कोई सपनों के  
दीप जलाए  
दीप जलाए

कहीं दूर जब दिन ढल जाए  
साँझ की दुल्हन बदन चुराए  
चुपके से आए

*Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.*

*PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.*